न्यूज डायरी

डोनाल्ड ट्रंप का पीएम नरेंद्र मोदी संग प्रचार नहीं आया काम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगता दिख रहा है और वह करारी शिकस्त की ओर बढ़ रहे हैं। इस चुनाव में पीएम मोदी के साथ प्रचार करने वाले डोनाल्ड ट्रंप को भारतीय मतदाताओं की ओर से तगड़ा झटका लगा है। ट्रंप को उम्मीद थी कि हाउडी मोदी और अहमदाबाद में लाखों की भीड़ को संबोधित करने के बाद भारतीय समुदाय उनकी ओर आएगा लेकिन ऐसा हुआ नहीं। नैशनल एग्जिट पोल की रिपोर्ट के मुताबिक 64 फीसदी एशियाई अमेरकी लोगों ने बाइडेन के समर्थन में वोट किया और केवल 30 फीसदी वोट ट्रंप को मिले हैं। वर्ष 2016 में भी चुनाव के दौरान लगभग इतने ही फीसदी लोगों ने ट्रंप का समर्थन किया था। अमेरिका में सबसे ज्यादा बढ़ रहे वोटों में एशियाई अमेरिकी लोगों की तादाद सबसे ज्यादा है। हालांकि कुल मतों उनकी संख्या अभी 5 फीसदी से कम है।

राष्ट्रपति चुनाव में हार की ओर बढ़ रहे डोनाल्ड ट्रंप, छोड़ देंगे अमेरिका?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। मेक अमेरिका, ग्रेट अगेन के नारे के साथ अमेरिका में सत्ता संभालने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ताजा चुनाव परिणामों में पिछड़ते नजर रहे हैं। अब तक की गणना में जो बाइडेन को 264 और ट्रंप को 214 इलेक्टोरल वोट मच्चि चुके हैं। डोनाल्ड ट्रंप की हार की आशंका के बाद अब यह अटकलें लगने लगी हैं कि क्या हार के बाद निवर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति देश छोड़ देंगे? इससे पहले चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप ने संकेत दिया था कि अगर वह हारते हैं तो देश छोड़ देंगे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने जॉर्जिया में चुनाव प्रचार के दौरान कहा था कि अगर वह 3 नवंबर को अपने डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रतिद्वंद्वी बाइडन से चुनाव हार जाते हैं तो शायद उन्हें देश छोड़ना पड़ेगा। ट्रंप ने कहा, मुझे मजाक नहीं करना चाहिए क्योंकि आप जानते हैं कि राष्ट्रपति चुनाव की राजनीति के इतिहास में सबसे खराब उम्मीदवार के खिलाफ लड़ने से मुझ पर दबाव पड़ता है। क्या आप सोच सकते हैं कि अगर मैं हार गया? पूरे जीवन, मैं क्या करने जा रहा हूं?

ट्रंप की धर्मगुरु ने कराई अजीब पूजा, अफ्रीका से आ रहे देवदूत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। चुनाव में जीत के लिए भारत ही नहीं दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र अमेरिका में भी टोना–टोटका और पूजा का सहारा लिया जाता है। अमेरिकी चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हार की बढ़ती आशंका के बीच उनकी धार्मिक मामलों की सलाहकार पाउला वाइट ने अजीब प्रार्थना की है जो सोशल मीडिया में वायरल हो गया है। पाउला ने कहा, श्मैंने जीत की गूंज सुनी है। ईश्वर कह रहे हैं कि यह हो चुका है। इसके लिए मैंने सुना है जीत, जीत, जीत। ट्रंप के दोबारा चुनाव जीतने के लिए प्रार्थना करते समय पाउला ने कहा कि ये देवदूत प्रभु यीशू मसीह के नाम पर यहां आ रहे हैं। इसके बाद उन्होंने लैटिन भाषा में भी यही अजीब प्रार्थना लैटिन भाषा में भी जारी रखा। वीडियो में वह कई बार बस यही दोहराती नजर आ रही हैं कि मैंने जीत की आवाज सुनी है।

सऊदी में अब नौकरी बदल सकेंगे पीड़ित प्रवासी मजदूर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रियाद। सऊदी अरब ने दूसरे देशों से आने वाले प्रवासी मजदूरों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। इस फैसले से वहां काम करने वाले लाखों भारतीय कामगारों को फायदा होगा। इसके तहत नियोक्ताओं (मालिक या कंपनियों) के दुर्व्यवहार और शोषण की स्थिति में कम वेतन पाने वाले ऐसे लाखों प्रवासी मजदूरों पर अपने उसी नियोक्ता के साथ बंधे रहने की पाबंदी खत्म हो जाएगी। सऊदी अरब के मानव संसाधन और सामाजिक विकास मंत्रालय ने कहा कि इन सुधारों के तहत विदेशी कर्मचारियों को एक जगह से दूसरी जगह काम करने, नौकरी छोड़ने और देश में फिर से प्रवेश करने और अपने नियोक्ता की सहमति के बिना अंतिम निकासी वीजा सुरक्षित करने की अनुमति दी जाएगी। इन सुधारों की लंबे समय से जरूरत महसूस की जा रही थी।

अमेरिका में जीत की ओर बढ़ रहे जो बाइडेन

कई शहरों में हिंसा की आशंका, पुलिस ने कीं गिरफ्तारियां

नतीजे

- ■अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के बाद वोटों की गिनती जारी है
- ■अभी तक नहीं आ सके हैं निर्णायक नतीजे, सस्पेंस बरकरार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। दुनियाभर की निगाहें अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों पर है और वहां नतीजा फिलहाल आता नहीं दिख रहा है। यूं तो डेमोक्रैटिक कैंडिडेट जो बाइडेन बहुमत के जादुई आंकड़े 270 इलेक्टरोल वोटों से महज 6 वोट दूर हैं, लेकिन रिपब्लिकन कैंडिडेट और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धांधली का आरोप जड़ दिया है। वह कोर्ट भी पहुंच गए हैं। वहीं, दूसरी ओर ट्रंप और बाइडेन दोनों के समर्थक सड़कों पर हैं और हिंसा जैसे हालात पैदा होने की आशंका के चलते 50 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कई जगहों पर गिरफ्तारियां: डेनवर में पुलिस से झड़प के बाद चार प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया

गया जबकि मिनियापोलिस में ट्रैफिक ब्लॉक करने के बाद गिरफ्तारियां की गईं। न्यूयॉर्क में बुधवार देर रात करीब 50 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया था। पोर्टलैंड में तनाव इतना बढ़ गया था कि पुलिस ने इसे दंगे करार दे दिया। यहां 11 लोगों को गिरफ्तर किया गया और आतिशबाजी जब्त कर ली गई। इनके पास से हथौड़े और राइफल भी बरामद की गई।

कहां फंसे हैं नतीजे?: ट्रंप के हाथ 213 इलेक्टोरल वोट आ चुके हैं। हालांकि, पेन्सिलवेनिया, नॉर्थ कैरोलिना और जॉर्जिया में जीत हासिल करने से वह अभी भी राष्ट्रपति पद की रेस में बरकरार हैं। इनके अलावा नेवाडा में भी अंतिम नतीजों का इंतजार किया जा रहा है। अगर बाइडेन केवल नेवाडा जीत लेते हैं तो वह 270 के जरूरी आंकड़े तक पहुंच जाएंगे। वहीं, दूसरी ओर ट्रंप को बहुमत हासिल करने के लिए इन चारों राज्यों को जीतना होगा।

विरोध में उतरे समर्थक: चुनाव में वोट पड़ने के बाद गिनती शुरू होने के साथ ही ट्रंप खेमे ने डेमोक्रैट्स पर चुनाव में धांधली के आरोप लगाने शुरू कर दिए थे। वहीं, ट्रंप विरोधी समूह भी वॉशिंगटन समेत देश के दूसरे हिस्सों में विरोध प्रदर्शन करने लगे थे। जैसे–जैसे चुनावी टक्कर और कड़ी होती जा रही है, दोनों ओर से प्रदर्शन आक्रामक होते जा रहे हैं। यहां तक कि कई जगहों पर हिंसा जैसे हालात पैदा होने की आशंका जताई गई है।

पाक में ईशनिंदा को लेकर सुरक्षाकर्मी ने बैंक प्रबंधक की हत्या की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में सरकारी नैशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान के एक वरिष्ठ प्रबंधक की बैंक के सुरक्षाकर्मी ने ईशनिंदा के आरोप में हत्या कर दी। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। लाहौर से करीब 250 किलोमीटर दूर खुशब में बैंक के प्रबंधक मलिक इमरान हनीफ को बैंक के सुरक्षा गार्ड अहमद नवाज ने बुधवार सुबह गोली मार दी थी। नवाज सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी है।

पीड़ित के परिवार ने कहा कि यह जाती दुश्मनी के तहत की गयी हत्या है और आरोपी ने अपने को बचाने के लिए इसे ईशनिंदा का मुद्दा बनाया है। पुलिस के अनुसार हनीफ को लाहौर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां गुरुवार को उनकी मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि आरोपी नवाज को गिरफ्तार कर लिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तारिक विलायत के अनुसार नवाज ने दावा किया कि उसने ईशनिंदा को लेकर हनीफ पर गोलियां चलाई थी। उन्होंने कहा कि यह दावा अभी सत्यापित नहीं किया जा सकता है। पुलिस मृतक के परिवार के बयान सहित सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर इस मामले की जांच कर रही है। हनीफ के परिवार ने कहा कि नवाज को कुछ महीने पहले निकाल दिया गया था लेकिन बाद में उसे बहाल कर दिया गया था।

अमेरिकी चुनाव में जो बाइडेन ने रचा इतिहास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद की रेस में सबसे आगे चल रहे डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन ने पॉपुलर वोटों के मामले में अपनी ही पार्टी के नेता बराक ओबामा को पीछे छोड़कर इतिहास कायम किया है। बाइडेन अब सबसे ज्यादा पॉपुलर वोट पाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बन गए हैं। मजेदार बात है कि ओबामा के समय में ही जो बाइडेन अमेरिका के उपराष्ट्रपति रह चुके हैं। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार सुबह तक बाइडेन को 6,97,68,858 वोट मिले थे और उन्होंने ओबामा के रेकॉर्ड को बहुत आसानी से ध्वस्त कर दिया। इससे पहले ओबामा को 6,94,98,516 वोट मिले थे।

अमेरिकी चुनाव में जो बाइडेन की जीत में छिपी है चीन की हार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन/पेइचिंग। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोरोना वायरस, ताइवान और भारत को लेकर चीन पर जोरदार हमला बोला था। ट्रंप ने तो कोरोना वायरस को चाइना वायरस बता दिया था। अब चुनावी नतीजों में जो बाइडेन जीत की ओर बढ़ते नजर आ रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने बाइडेन पर चीन को लेकर नरम रख अपनाने का अरोप लगाया था लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि जीत किसी की भी लेकिन चीनी ड्रैगन की टेंशन बढ़ने वाली है।

विशेषज्ञों का कहना है कि

चीन के प्रति सख्त रवैया अपना सकते हैं जो बाइडेन

अमेरिका में जीत चाहे ट्रंप की हो या बाइडेन की, दोनों ही विस्तारवादी नीति अपनाने में लगे चीन के खिलाफ सख्त रुख अपनाएंगे। ट्रंप के चीन को लेकर हमलावर होने के बाद बाइडेन ने भी चीन को सबक सीखाने का वादा किया है। चीनी मामलों के अमेरिकी विशेषज्ञ मरिऑन स्मिथ ने कहा कि चीन आज अमेरिका के लिए सुरक्षा, आर्थिक और मूल्यों के लिहाज से सबसे बड़ा खतरा बन गया है।

मरिऑन स्मिथ ने कहा कि बाइडेन का चीन पर काफी बोझ है। सीनेटर से लेकर उपराष्ट्रपति के अपने 45 साल के राजनीतिक कार्यकाल में जो बाइडेन ने चीन और अमेरिका के बीच एकजुटता पर जोर दिया था। वर्ष 2013 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने जो बाइडेन को अपना पुराना मित्र करार दिया था। इसके बाद भी बाइडेन चीन के प्रति सख्त रुख अपना सकते हैं। इससे पहले से चला रहा चीन के साथ तनाव और ज्यादा बढ़ सकता है।

उन्होंने कहा कि बाइडेन की चीन नीति ट्रंप से काफी मिलती–जुलती ही है। बाइडेन ने कहा है कि वह चीन पर आर्थिक दबाव बनाए रखेंगे। जो बाइडेन ने ऐलान किया है कि चीन के खिलाफ अभियान में वह वैश्विक समन्वय को ट्रंप से भी ज्यादा बढ़ावा देंगे। उन्होंने उइगर मुसलमानों पर अत्याचार को नरसंहार करार दिया है।

यूरोपीय जीवनशैली के लिए खतरा है राजनीतिक इस्लाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वियना। ऑस्ट्रिया के चांसलर सेबेस्टियन कुर्ज ने चेतावनी दी है कि राजनीतिक इस्लाम यूरोप की जीवनशैली के लिए बड़ा खतरा बन गया है। कुर्ज ने यूरोपीय यूनियन से अपील की कि वियना आतंकी हमले से सबक लेते हुए अपने सहिष्णुता की गलतफहमी को खत्म कर ले। उन्होंने यूरोपीय देखों का आह्वान किया कि वे और कड़ाई से राजनीतिक इस्लाम की समस्या से निपटने पर फोकस करें। कुर्ज ने कहा कि राजनीतिक इस्लाम की विचारधारा यूरोप की स्वतंत्रता और मूल्यों के लिए खतरनाक है। ऑस्ट्रिया के चांसलर के ऑफिस ने कहा कि वह फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां के साथ संपर्क में हैं ताकि आतंकवाद से मिलकर निपटने पर चर्चा की जा सके। जर्मनी के एक मीडिया संस्थान से बातचीत में कुर्ज ने कहा कि मैं आशा करता हूं कि हम इस सहिष्णुता की गलतफहमी का खात्मा देखेंगे। ऑस्ट्रिया के चांसलर कुर्ज ने कहा कि मैं यह भी आशा करता हूं कि यूरोप के सभी देश यह महसूस करेंगे कि राजनीतिक इस्लाम की विचारधारा हमारी स्वतंत्रता और यूरोपीय जीवनशैली के लिए कितना खतरनाक है।